महाकाल वन मेला उज्जैन में राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन दिनांक 11-16 फरवरी 2026

महाकाल वन मेले का आयोजन 11 फरवरी से 16 फरवरी 2026 तक उज्जैन में किया गया। मेले का उद्घाटन दिनांक 11 फरवरी 2026 को माननीय डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन द्वारा किया गया। इस मेले में संस्थान का मुख्य उद्देश्य लाख प्रसंस्करण के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से प्रोत्साहित करना था। संस्थान द्वारा लाख की वैज्ञानिक कृषि पद्धति को बढ़ावा देने तथा उसके प्रायोगिक प्रदर्शन के लिए लगाए गए स्टॉल ने मेले में आए आगंतुकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। इस स्टॉल के माध्यम से लाख उत्पादन, प्रसंस्करण एवं उससे जुड़े विभिन्न उत्पादों के साथ–साथ संस्थान की अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों की जानकारी भी आगंतुकों को प्रदान की गई।

दिनांक 16 फरवरी 2026 को मेले के अंतिम दिवस पर आयोजित भव्य समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ समिता राजोरा, प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल उपस्थित रहीं। इस अवसर पर मध्यप्रदेश वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में सफल प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। मध्यप्रदेश वन विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल एवं मध्यप्रदेश वन विभाग द्वारा आयोजित महाकाल वन मेला 2026, उज्जैन में राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर को लाख प्रसंस्करण एवं अनुसंधान गतिविधियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राज्य स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। संस्थान की ओर से यह पुरस्कार ग्रहण करने हेतु लाख परियोजना के मुख्य परियोजना अन्वेषक एवं वैज्ञानिक डॉ अनिरुद्ध मजूमदार के साथ श्री बलराम लोधी उपस्थित रहे ।

संस्थान की ओर से मेले में सहभागिता एवं स्टॉल संचालन का कार्य संस्थान के संचालक श्री प्रदीप वासुदेवा के मार्गदर्शन में संस्थान के वैज्ञानिक डॉ अनिरुद्ध मजूमदार द्वारा सम्पादित किया गया एवं उनकी सहायता के लिए श्री बलराम लोधी एवं श्री भारत सिंह आर्मो तथा सिवनी जिले के बरघाट क्षेत्र की दो महिला लाख शिल्पकार उपस्थित रहे।

धान संस्थान, जबलपुर म.प्र.

धान संस्थान, जबलपुर म

महाकाल
वन मेला

महाकाल
वन मेला
उज्जैन

SFRI honoured for its outstanding work in lac processing at 'Mahakal Van Mela'

■ Staff Reporter

Dr Aniruddha Majumdar being honoured during Mahakal Van Mela in Ujjain.

STATE Forest Research Institute (SFRI) Jabalpur was honoured for its outstanding work in lac processing during the first 'Mahakal Van Mela', organised by Madhya Pradesh Forest Department in Ujjain.

The grand event was inaugurated by Madhya Pradesh Chief Minister Mohan Yadav in the presence of local legislators and senior forest officials.

For several years, SFRI has been actively providing intensive training to farmers and artisans engaged in lac-based livelihoods. As part of the exhibition, two women artisans from the Barghat region captivated visitors with a live demonstration of lac jewellery-making. A demonstration model of an advanced lac processing unit, developed using improved technology, also remained a major attraction at the stall.

The institute's exhibition stall was successfully managed under the guidance of Director Pradeep Vasudeva, along with institute scientists and Dr Aniruddha Majumdar, Principal Investigator of the lac project funded by ICAR-National Institute of Secondary Agriculture (ICAR-NISA). Project researchers Balram Lodhi and Bharat Armo were also present, along with lac artisans Rajeshwari Chauhan and Tumeswari Gautam from Barghat.

लाख प्रसंस्करण में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मिला सम्मान

उज्जैन वन मेले में पुरस्कार के साथ विज्ञानी व शोधकर्ता। • सौजन्य: स्वयं

नईदुनिया प्रतिनिधि, सिवनी: महाकाल की पावन नगरी उज्जैन में 11 से 16 फरवरी तक राज्य वन विभाग ने 'प्रथम महाकाल वन मेला' में राज्य वन अनुसंधान संस्थान (एसएफआरआई) जबलपुर को उत्कृष्ट 'लाख प्रसंस्करण' कार्यों पर सम्मानित किया गया। मेले का शुभारंभ मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने किया। मेले में क्षेत्रीय विधायकों के साथ वन विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति रही। उल्लेखनीय है कि संस्थान ने बीते कई वर्षों से लाख आधारित किसानों तथा शिल्पकारों को निरंतर प्रशिक्षण दे रहा है। बरघाट क्षेत्र की दो महिला शिल्पकारों ने लाख के आभूषण बनाने का लाइव प्रदर्शन दिखाया। साथ ही उन्नत तकनीक से निर्मित लाख प्रसंस्करण यूनिट का डेमोंस्ट्रेशन माडल भी लोगों के आकर्षण का मुख्य केंद्र रहे। प्रदर्शन स्टाल का सफल संचालन संस्थान संचालक प्रदीप वासुदेवा के मार्गदर्शन में विज्ञानी व वित्त पोषित लाख परियोजना के मुख्य अन्वेषक डा. अनिरुद्ध मजूमदार के साथ परियोजना के शोधकर्ता बलराम लोधी, भारत आर्मो तथा बरघाट की लाख शिल्पकार राजेश्वरी चौहान व तुमेश्वरी गौतम की उपस्थिति में किया गया।

7 मार्च 2026 शनिवार

बदलते जमाने का अखबार

पीपुल्स समाचार

जबलपुर

लाख की खेती बनी 'लाल सोना': किसानों ने वैज्ञानिकों की मदद से बदली तकदीर

सफलता की मिसाल : 40 किलो से 2.5 क्विंटल का सफर

पहले करते थे सिर्फ खेती अब बन रहे उद्यमी

अब 3 बीघा में करते हैं लाख की खेती, 15 क्विंटल पहुंचा उत्पादन

तकनीक से किसानों को जोड़ना लक्ष्य : डॉ. अनिरुद्ध

वन मेला में किया गया सम्मानित

भासं, जबलपुर। उत्कृष्ट 'लाख प्रसंस्करण' कार्यों के लिए राज्य वन अनुसंधान संस्थान (एसएफआरआई) को प्रदेश स्तर पर वन मेला में सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उज्जैन में 11 से 16 फरवरी तक मध्य प्रदेश वन विभाग द्वारा आयोजित 'प्रथम महाकाल वन मेला' में मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा प्रदान किया गया है। उल्लेखनीय है कि संस्थान द्वारा विगत कई वर्षों से लाख आधारित कृषकों तथा शिल्पकारों को निरंतर गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में बरघाट क्षेत्र की दो महिला शिल्पकारों ने लाख के आभूषण बनाने का लाइव प्रदर्शन कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। संस्थान के संचालक प्रदीप वासुदेवा का मार्गदर्शन एवं लाख परियोजना के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. अनिरुद्ध मजूमदार के साथ परियोजना के शोधकर्ता बलराम लोधी की उपस्थिति रही।

अंतरराष्ट्रीय वन मेला में शामिल होने टीम रवाना

भासं, जबलपुर। उज्जैन में 11 से 16 फरवरी तक आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय वन मेला में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए राज्य वन अनुसंधान संस्थान (एसएफआरआई) की एक विशेषज्ञ टीम उज्जैन के लिए रवाना हो गई है। यह आयोजन वनोपज और उनके संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मंच है। इस बार संस्थान का मुख्य केंद्र बिंदु लाख की खेती और उसके प्रसंस्करण पर आधारित है। वरिष्ठ वैज्ञानिक अनिरुद्ध मजूमदार ने बताया कि पांच सदस्यीय टीम मेले में आधुनिक तकनीकों के माध्यम से लाख के वैज्ञानिक प्रसंस्करण पर एक विस्तृत प्रजेंटेशन देगी। पलाश, कुसुम और बेर के पेड़ों पर लाख के कीटों के वैज्ञानिक प्रबंधन की जानकारी एवं प्रसंस्करण तकनीक का प्रदर्शन किया जाएगा।

दैनिक भास्कर Tue, 10 February 20 https://epaper.bhas

राज्य वन अनुसंधान संस्थान को मिला सम्मान

▸ लाख प्रसंस्करण के उत्कृष्ट कार्यों के लिए नवाजा गया

नवभारत,जबलपुर। महाकाल की पावन नगरी उज्जैन में दिनांक 11 से 16 फरवरी 2026 में मध्य प्रदेश वन विभाग द्वारा आयोजित 'प्रथम महाकाल वन मेला' में, राज्य वन अनुसंधान संस्थान (एसएफआरआई), जबलपुर को उसके उत्कृष्ट 'लाख प्रसंस्करण' कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इस भव्य मेले का शुभारंभ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा किया गया, जिसमें उज्जैन जिले के सम्मानीय विधायकगण एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण विशेष रूप से उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि संस्थान द्वारा विगत कई वर्षों से लाख आधारित कृषकों तथा शिल्पकारों को निरंतर गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में बरघाट क्षेत्र की दो महिला शिल्पकारों ने लाख के आभूषण बनाने का लाइव प्रदर्शन कर सभी आगंतुकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, साथ ही उन्नत तकनीक से निर्मित लाख प्रसंस्करण यूनिट का डेमोंस्ट्रेशन मॉडल भी लोगों के आकर्षण का मुख्य केंद्र बना रहा। इस प्रदर्शन स्टाल का सफल संचालन संस्थान के संचालक प्रदीप वासुदेवा के कुशल मार्गदर्शन में संस्थान के वैज्ञानिक एवं आईसीएआर-एनआईएसए द्वारा वित्त पोषित लाख परियोजना के मुख्य अन्वेषक डॉ. अनिरुद्ध मजूमदार ,परियोजना के शोधकर्ता बलराम लोधी, भारत आर्मो तथा बरघाट की लाख शिल्पकार राजेश्वरी चौहान एवं तुमेश्वरी गौतम की उपस्थिति में संपन्न हुआ।